Downloaded From: http://www.cbseportal.com

SET-3

Series SSO/2

कोड नं. **29/2/3**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *15*

विदेश नीति तय करते हुए सुरक्षा सम्बन्धी हमारी प्राथमिकताओं में सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि हम विश्व में सबसे अधिक हथियार खरीदने वाले देशों में गिने जाते हैं । इसका राष्ट्रीय सुरक्षा में बड़ा महत्त्व है । राष्ट्रीय संसाधनों का बड़ा हिस्सा हथियार खरीदने और उनकी समयबद्ध आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए मौजूद है । दूसरी तरफ, घरेलू रक्षा विनिर्माण अपने शुरुआती चरण में ही है और बड़े निवेश और महत्त्वपूर्ण तकनीक के हस्तांतरण के बग़ैर यह विकास नहीं कर सकता । हमें देखना होगा कि हमारी निर्भरता कम हो और देश में हथियारों का उत्पादन अधिक हो ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

एक और प्राथमिकता नए ऊर्जा स्रोतों तक पहुँच सुनिश्चित करना है । भारत की विकास-यात्रा में ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियाँ ग़ैर-हाजिर हैं । पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा आयातक होने के कारण भारत अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के उत्पादन और दाम में आते उतार-चढ़ाव के कारण आर्थिक मुश्किलों का सामना करता रहा है । नए ऊर्जा स्रोतों तक सुरक्षित पहुँच की स्पर्द्धा हाल के वर्षों में तेज़ हुई है । पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में ऊर्जा के सस्ते स्रोतों के भंडार हैं, जो लंबे समय के अविश्वास के कारण अब तक इस्तेमाल नहीं हुए । इसी तरह, नदी जल का बँटवारा और हिमालय की नदी-प्रणाली के विद्युतीय सामर्थ्य का दोहन भारत के सरहदी राज्यों के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण हैं । भारत की भावी विदेश नीति इसके भविष्य की ऊर्जा ज़रूरतों को उपेक्षित रखकर पूरी नहीं हो सकती ।

अंतिम प्राथमिकता है भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के अभाव को पूरा करना । आधारभूत ढाँचे से जुड़ी ज़रूरतें हैरत में डालने वाली हैं और देश के विकास-सामर्थ्य को हासिल करने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं । दरअसल, आज के अधिकतर विकसित देशों में आर्थिक समृद्धि के आने से पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बड़े पैमाने पर विकास हुआ । भारत की सड़कों, बंदरगाहों, रेलवे, विमानन, ऊर्जा और दूरसंचार के क्षेत्रों को अत्याधुनिक तकनीक के अलावा काफी निजी निवेश की भी ज़रूरत है । यह वह क्षेत्र है, जहाँ साझेदार देशों के लिए एक सुखद स्थिति होगी और इसलिए भारत की विदेश नीति के ढाँचे में यह एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व है ।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) सुरक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण बात क्या है ? *1*

(ग) सुरक्षा की प्राथमिकताओं में क्या-क्या करने की आवश्यकता है ? *1*

(घ) पेट्रोलियम के मामले में भारत को सर्वाधिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना क्यों करना पड़ता है ? *2*

(ङ) जल-विद्युत् के क्षेत्र में हमें क्या करने की ज़रूरत है ? *1*

(च) 'इन्फ्रास्ट्रक्चर' से क्या तात्पर्य है ? यह क्यों महत्त्वपूर्ण है ? *2*

(छ) भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के किन क्षेत्रों में अधिक निवेश की आवश्यकता है ? *1*

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(ज) भारत की विदेश नीति में कुल मिलाकर किन-किन प्राथमिकताओं का उल्लेख किया गया है ? *2*

(झ) भारत के सीमावर्ती राज्यों के लिए ऊर्जा के किस विकल्प की बात की गई है ? क्यों ? *2*

(ञ) एक उपसर्ग और एक प्रत्यय अलग कीजिए – प्राथमिकता *1*

(ट) मिश्र वाक्य में बदलिए : *1*

'राष्ट्रीय संसाधनों का बड़ा हिस्सा हथियार खरीदने और उनकी समयबद्ध आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए मौजूद है ।'

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

क्या कुटिल व्यंग्य ! दीनता वेदना से अधीर, आशा से जिनका नाम रात-दिन जपती है,
दिल्ली के वे देवता रोज कहते जाते, 'कुछ और धरो धीरज, किस्मत अब छपती है ।'

किस्मतें रोज छप रहीं, मगर जलधार कहाँ ? प्यासी हरियाली सूख रही है खेतों में,
निर्धन का धन पी रहे लोभ के प्रेत छिपे, पानी विलीन होता जाता है रेतों में ।

हिल रहा देश कुत्सा के जिन आघातों से, वे नाद तुम्हें ही नहीं सुनाई पड़ते हैं ?
निर्माणों के प्रहरियो ! तुम्हें ही चोरों के काले चेहरे क्या नहीं दिखाई पड़ते हैं ?

तो होश करो, दिल्ली के देवो, होश करो, सब दिन तो यह मोहिनी न चलनेवाली है,
होती जाती है गर्म दिशाओं की साँसें, मिट्टी फिर कोई आग उगलनेवाली है ।

(क) 'दिल्ली के देवता' से कवि का क्या तात्पर्य है ? वे जनता को क्या कहते हैं ?

(ख) किसान की दशा का चित्रण काव्यांश के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए ।

(ग) 'निर्माण के प्रहरी' किन्हें कहा है ? वे किन बातों की अनदेखी कर देते हैं ?

(घ) काव्यांश में शासक वर्ग को क्या चेतावनी दी गई है ?

(ङ) काव्यांश का संदेश स्पष्ट कीजिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *10*

(क) प्रगति के मार्ग में भारत

(ख) शिक्षा का अधिकार

(ग) नारी सशक्तीकरण

(घ) पर्यावरण की समस्या

4. आप मित्रों के साथ उत्तराखंड भ्रमण पर गए थे और पड़ावों पर पहले से आरक्षण भी कराया था । फिर भी उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने उचित व्यवस्था नहीं की । विवरण देते हुए इसकी शिकायत निदेशक पर्यटन विकास निगम, देहरादून को पत्र लिखकर कीजिए । *5*

अथवा

भारत एक बहुभाषी-बहुधर्मी देश है फिर भी कभी-कभी सांप्रदायिकता सिर उठाती है । इसके परिणामों की चर्चा करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और रोकने के लिए एक सुझाव भी दीजिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(क) 'समाचार' शब्द को संक्षेप में परिभाषित कीजिए ।

(ख) टी.वी. के सबसे लोकप्रिय जनसंचार माध्यम होने के क्या कारण हैं ?

(ग) 'स्टिंग ऑपरेशन' किसे कहा जाता है ? क्यों ?

(घ) 'पत्रकार की वैसाखियों' का केवल नामोल्लेख कीजिए ।

(ङ) 'उलटा पिरामिड शैली' से क्या तात्पर्य है ?

6. कल्पना कीजिए कि कश्मीर की बाढ़ के बाद आप पत्रकार के रूप में वहाँ गए थे । इस आपदा के व्यापक प्रभाव और धीरे-धीरे सामान्य होते जनजीवन पर एक आलेख लिखिए । *5*

अथवा

नदियों में बढ़ रहे प्रदूषण और उससे निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की अपर्याप्तता पर एक आलेख लिखिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,
वह पीड़ा, जिसकी गहराई को स्वयं उसी ने नापा;
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुवाते कड़ुवे तम में
यह सदा-द्रवित, चिर-जागरूक, अनुरक्त-नेत्र
उल्लंब बाहु, यह चिर-अखंड अपनापा ।

अथवा

अद्भुत है इसकी बनावट
यह आधा जल में है
आधा मंत्र में
आधा फूल में है
आधा शव में
आधा नींद में है
आधा शंख में
अगर ध्यान से देखो
तो यह आधा है
और आधा नहीं है ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) कार्नेलिया के गीत के आधार पर भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

(ख) 'वसंत आया' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) राम और रावण की तुलना करते हुए मंदोदरी ने रावण को क्या-क्या समझाया और क्यों ? केशवदास के छंद के आधार पर उत्तर दीजिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) हेम-कुंभ ले उषा सवेरे – भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब – जगकर रजनी भर तारा ।

(ख) पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।

(ग) इस पथ पर मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

मैं तो केवल निमित्त मात्र था । अरुण के पीछे सूर्य था । मैंने पुत्र को जन्म दिया, उसका लालन-पालन किया, बड़ा हो जाने पर उसके रहने के लिए एक विशाल भवन बना दिया, उसमें उसका गृह-प्रवेश करा दिया, उसके संरक्षण और परिवर्धन के लिए एक सुयोग्य अभिभावक डॉ. सतीशचंद्र काला को नियुक्त कर दिया और फिर मैंने सन्यास ले लिया ।

अथवा

मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है, अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार । किसी को उससे सुख मिल जाए बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए । सुख पहुँचाने का अभिमान अगर ग़लत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान नितरां ग़लत है ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' निबन्ध से शुक्ल जी के भाषा-परिवेश और उनके प्रारंभिक रुझानों पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'साहित्यकार के लिए स्रष्टा और द्रष्टा होना अनिवार्य है' – क्यों और कैसे ? 'यथास्मै रोचते विश्वम्' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

12. असगर वजाहत **अथवा** ममता कालिया के जीवन और उनकी रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए और उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । *6*

अथवा

केदारनाथ सिंह **अथवा** विद्यापति के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

13. जीवन-मूल्यों के संदर्भ में भैरों, सुभागी और सूरदास के रिश्तों का विश्लेषण कीजिए । *5*

अथवा

'तुमने सिर पर पहाड़ टूटने की कहावत तो बहुत सुनी होगी, सुनने में बहुत भली नहीं लगती, लेकिन इसकी सच्चाई वही जानता है जिस पर सचमुच का पहाड़ टूटा हो ।' 'आरोहण' कहानी में भूपसिंह के उक्त कथन के आलोक में जीवन और जीवन-मूल्यों की रक्षा के लिए उसके संघर्ष पर प्रकाश डालिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

14. (क) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर बरसात में और बरसात के बाद की प्रकृति और ग्रामीण जीवन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए । *5*

(ख) 'अपना मालवा ....' पाठ के लेखक को क्यों लगता है कि हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है ? *5*

Downloaded From: http://www.cbseportal.com